भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का नेपाल की संविधान सभा (Constituent Assembly) में दिनांक 03.08.14 को दिया गया भाषण

माननीय श्री सुभाष नेम्बांग पार्लियामेंट के स्पीकर श्री एवं माननीय सांसदगण और आदरणीय सभागृह। मां नेपाल मां आउना पाएकोमा अत्यन्तयी हर्शित छू। (तालियां) धैर्य धैरे वर्शए एक पथिक यातेतव तीर्थालुको रूपमा मय यहां आएको थीए। यो भनाईच कि एक पटक तपाई ले नेपाल को भ्रमण गरनो भयो। भने यो जीवनपर्यन्त संबंध मां बदली छो। प्रथमतः ये तो सुंदर देश तो सादीक रूपमां मफेरी परके आएको छू। भारत को प्रधानमंत्री को हैसियत मां पुनः आओना पउदा वास्तव में मेले भाग्यशाली महसूस गरछू। (तालियां) यो यसतो यात्रा छूओ जून मैं प्रधानमंत्री को कार्यालय मां प्रवेश गरन वित्ते की गरनेचाह थे किनकी हामरो नेपाल संघ को संबध मेरो सरकार को उच्चतम प्राथमिकता मद्दे हो। (तालियां) निमंत्रणा गरनू भय कोमा मैं सरकार का नेपाल का जनतादायी धन्यवाद देना चाहान छूं। (तालियां) मै संगे मेले एक सौ पच्चीस करोड़ भारतीय जनता को माया शुभकामना व सद्भावना लिएर आयो छूं। (तालियां) (नेपाली)

आप कल्पना कर सकते हैं कि ये पल मेरे लिये कितने गर्व के पल है, क्योंकि आपकी संसद में, मैं पहला मेहमान हूं जिसको आपने बुलाया है और संबोधन करने का अवसर दिया है। (तालियां) ये सम्मान सिर्फ नरेन्द्र मोदी का या भारत के प्रधानमंत्री का नहीं, ये सवा सौ करोड़ भारतीयों का सम्मान है। (तालियां) मैं इसके लिये आदरणीय स्पीकर श्री का और आप सभी सदस्यों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। भारत और नेपाल के संबंध उतने ही पुराने हैं जितना हिमालय और गंगा पुराने हैं (तालियां) और इसलिये हमारे संबंध कागज की किस्तियों से आगे नहीं बढ़े हैं, हमारे संबंध दिलों की दास्तान कहते हैं, (तालियां) जन-जन के मन के प्रतिघोश के रूप में हैं। हम एक ही सांस्कृतिक विरासत के धनी हैं। मैं मूलतः गुजरात का हूं, सोमनाथ की भूमि है और सोमनाथ की भूमि से चलकर के मैं राष्ट्रीय राजनीति का फलक काशी विश्वनाथ की छत्रछाया में मैंने प्रारम्भ किया, काशी से किया और आज पशुपतिनाथ के चरणों में आकर के खड़ा हुआ हूं। ये वो भूमि है जहां

किशोरीजी बचपन में खेला करती थी और आज भी हम जनक का स्मरण करते हैं। ये भूमि है जिसने विश्व को अचंभित कर देने वाले भगवान बुद्ध को जन्म दिया है। (तालियां) ऐसी एक सांस्कृतिक विरासत की धनी है और इसलिये और जब मैं काशी का प्रतिनिधि बन गया तो मेरा तो नेपाल से नाता और जुड़ गया क्योंकि काशी में एक मंदिर है जहां पुजारी नेपाल का होता है और नेपाल में पशुपतिनाथ है जहां का पुजारी हिन्दुस्तान का होता है। (तालियां) भारत का हर व्यक्ति 51 शक्ति पीठों के दर्शन की कामना करता है उन 51 शक्ति पीठों में दो शक्ति पीठ नेपाल में हैं यानी इतना अटूट नाता है हमारा और इतना ही नहीं हिन्दुस्तान ने वो कोई लड़ाई जीती नहीं है जिस जीत के साथ किसी नेपाली का रक्त न बहा हो, (तालियां) किसी नेपाली ने शहादत न मोल ली हो। भारत के स्वाभिमान के लिये, भारत की रक्षा के लिये, नेपाल का बहादुर मरने मिटने के लिये कभी पीछे नहीं रहा, भारत के लिये जीने मरने वाले उन बहादुर नेपालियों को मैं आज नमन करना चाहता हूं। (तालियां) भारत की सेना के फील्ड मार्शल एक बहुत बढ़िया बात बताते थे। वो कहते थे कि कोई सेना का जवान ये कहे कि मैं मृत्यु से डरता नहीं हूं तो मान लेना या तो वो झूठ बोल रहा है या तो वो गुरखा है। (तालियां) अगर गुरखा कहता है कि मैं मौत से नहीं डरता हूं मतलब सच्चाई है। ये बात फील्ड मार्शल माणिक शाह ने कही थी।

ऐसी ये वीरों की भूमि हैं, सांस्कृतिक धारा है और आज मैं कह सकता हूं नेपाल के नागरिकों की नहीं लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले पूरे विश्व का ध्यान नेपाल की तरफ केन्द्रित हुआ है और नेपाल की तरफ केन्द्रित हुआ है मतलब इस सभागृह में बैठे हुए आप सब पर केन्द्रित हुआ है। (तालियां) लोकतंत्र में विश्वास करने वाला पूरा विश्व आज आपकी तरफ देख रहा है, बड़ी आशाभरी नज़रों से देख रहा है। आपको लगता होगा कि आप इस सदन में बैठ करके संविधान के निर्माण की चर्चा कर रहे हैं। भिन्न-भिन्न धाराओं की चर्चा कर रहे हैं। समाज के भिन्न-भिन्न वर्गों के हितों के कल्याण की चर्चा कर रहे हैं। इतना नहीं है। संविधान के निर्माता के रूप में आपको ये सौभाग्य मिलना उस घटना को मैं अगर और तरीके से देखूं हम जिस

परंपरा से जीते हैं। कभी किसी ऋषि मन ने वेद निर्माण किए, किसी ने उपनिषद् निर्माण की, किसी युग में संहिताओं का निर्माण हुआ और जिसके प्रकाश में हजारों साल से हम अपना जीवन निर्वाह और आयोजन करते रहते हैं उसी कड़ी में आधुनिक जीवन में राष्ट्र का संविधान भी एक नई संहिता के रूप में जन्म लेता है। नये युग को दिशा दर्शन देने का काम संविधान के माध्यम से होता है जो किसी जमाने में ऋृषियों ने वेद के द्वारा, पुराणों के द्वारा, संहिता के द्वारा किया था। एक प्रकार से आप नई संहिता लिख रहे हैं और इसलिए ये सौभाग्य प्राप्त करने वाले आप सबको मैं हृदय से अभिनंदन करना चाहता हूं, बधाई देना चाहता हूं। (तालियां)

लेकिन संविधान निर्माण के पूर्व शर्त होती है। संविधान के निर्माण के लिए ऋषि मन होना जरूरी होता है। (तालियां) वो मन जो दूर का देख सकता है, वो मन समस्याओं का अंदाज लगा सकता है और वो मन आज भी उन शब्दों में अंकित करेगा जो सौ साल के बाद भी समाज को सुरक्षित रखने की, समाज की विकास यात्रा को आगे बढ़ाने की कोशिश करेगा। (तालियां) कितना पवित्र, कितना उम्दा, कितना विशाल, कितना व्यापक काम आप लोगों के पास है और इसलिए आप बहुत भाग्यशाली हैं, मैं आपको नमन करने आया हूं। मैं आपका अभिनन्दन करने आया हूं।

संविधान एक किताब नहीं होती है, संविधान कल आज और कल को जोड़ता है। मैं कभी कभी सोचता हूं भारत का संविधान वो हिमालय को समन्दर के साथ जोड़ता है। भारत का संविधान कच्छ के रेगिस्तान को नागालैण्ड की हरी भरी पर्वतमालाओं के साथ जोड़ता है। सवा सौ करोड़ नागरिकों के मन को, आशा को, आकांक्षाओं को पल्लवित करता है। आप जिस संविधान का निर्माण करने जा रहे हैं वो सिर्फ, सिर्फ नेपाल के नागरिकों के लिए नहीं दुनिया के इतिहास में स्वर्णिम पृष्ठ लिखने जा रहे हो। आपको आश्चर्य होगा कि मोदी जी क्या बता रहे हैं, मैं सच बता रहा हूं। आपका संविधान जो बनेगा वो सिर्फ नेपाल के लिए नहीं, विश्व के लिए एक स्वर्णिम पृष्ठ बनने वाला है। क्योंकि इतिहास की धरोहर में देखें तो एक सम्राट अशोक हुआ करते थे। युद्ध के बाद शांति की तलाश में निकले, युद्ध छोड़ बुद्ध की

शरण गये और एक नया स्वर्णिम पृष्ठ लिखा गया। मैं उन सबको बधाई देता हूं। जिन्होंने बुलैट का रास्ता छोड़कर के बैलेट के रास्ते पर जाने का संकल्प किया, नेपाल की धरती पर किया। (तालियां) मैं उन सबका अभिनंदन करता हूं जो युद्ध से बुद्ध की ओर प्रयाण किया है और इस सदन में आपकी मौजूदगी युद्ध से बुद्ध की तरफ की आपकी यात्रा का अनुमोदन करती है और इसलिए मैं आपको बधाई देने आया हूं। (तालियां)

आप जब संविधान का निर्माण करेंगे, वो संविधान और मुझे विश्वास है कि पीस प्रोसेस के घर बसे एक ऐसा उम्दा संविधान जन्म लेने वाला है। जो कोटि-कोटि जनों की आशा आकांक्षाओं की पूर्ति करने वाला है। लेकिन इससे भी आगे आज दुनिया के हर भूभाग में छोटे-मोटे कई गुट ऐसे पैदा हुए हैं जिनका हिंसा में ही विश्वास है। शस्त्र के माध्यम से ही सुख प्राप्त करने का उनको मार्ग लगता है। विश्व के सामने नेपाल वो देश बनेगा जब संविधान लेकर के आएगा वो दुनिया को विश्वास दिलायेगा कि शस्त्रों को छोड़कर के शास्त्र के सहारे भी जीवन को बदला जा सकता है। ये उम्दा काम आप करने वाले हैं। (तालियां) हिंसा में विश्वास करने वाले दुनिया के गुटों को नेपाल का संदेश जाएगा कि बंब, बंदूक और पिस्तौल के माध्यम से भलाई नहीं होती है, संविधान की सीमा में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के द्वारा इच्छित परिणामों को प्राप्त किया जा सकता है और ऐसा उम्दा काम आपने शुरू किया है और उन लोगों ने उसमें हिस्सेदारी की है जिन्होंने कभी शस्त्र में भरोसा किया था, शस्त्र को छोड़ करके युद्ध को छोड़ करके बुद्ध के मार्ग पर जाने का रास्ता अपनाया और इसलिए ऐसा एक पवित्र काम आपके माध्यम से हो रहा है। इस संविधान सभा के माध्यम से जो विश्व के, विश्व के हिंसा में विश्वास रखने वाले लोगों को पुनर्विचार करने के लिए मजबूर करेगा और आपका प्रयोग अगर सफल रहा तो विश्व को हिंसा से मुक्ति का एक नया मार्ग ये बुद्ध की भूमि से मिलेगा। ये मुझे आपके संविधान में ताकत नजर आ रही है और इसलिए मैं उस रूप में इस संविधान सभा को देख रहा हूं। उस सामर्थ्य के रूप में देख रहा हूं मैं। संविधान किसके लिए है? भारत प्रारम्भ से मानता आया है। हमारा काम आपके काम में दखल करने का नहीं

है। भारत का काम आप जो संकल्प करेंगे, आप जो दिशा चुनें उसमें हम अगर काम आ सकते हैं तो काम आना यही हमारा संकल्प है। आपको दिशा देना ये हमारा काम नहीं है। आप को मंजिल की ओर ले जाना ये हमारा काम नहीं है। नेपाल एक सार्वभौम राष्ट्र है। (तालियां) हमारी इच्छा इतनी है कि नेपाल ये सार्वभौम राष्ट्र हिमालय जितनी ऊंचाइयों को प्राप्त करे और पूरा विश्व नेपाल को देखकर के गौरवान्वित हो ऐसा नेपाल देखने की हमारी इच्छा है। (तालियां) और इसलिए आपके पड़ौस में बैठ करके और हमारे लोकतंत्र के अनुभव के आधार पर हमें अच्छा लगता है जब ये बातें सुनते हैं कि आप दिशा में जा रहे हैं। हमें आनंद होता है। संविधान वो हो जो सर्वम् समावेशक हो। हर नेपाली नागरिक को, गरीब हो, अमीर हो, पढ़ा लिखा हो, अनपढ़ हो, गांव में हो, शहर में हो, पहाड़ में हो, तराई में हो, कहीं पर भी हो। हर नेपाली को संविधान जब आये तो उसको लगना चाहिए कि ऐसा गुलदस्ता है जिस गुलदस्ते में मेरे भी पुष्प की महक है। (तालियां) और संविधान निर्माता ऐसा गुलदस्ता बनायेंगे कि जिसके कारण हर नेपाली को लगेगा हां ऐसा बढ़िया गुलदस्ता आया है मेरा फूल भी महक मुझे उसमें महसूस हो रही है वो काम आप करने जा रहे हैं। संविधान वो हो जो सर्वजन हिताय हो, सर्वजन सुखाय हो। (तालियां) किसी एक का भला करने के लिए नहीं हो। संविधान जन सामान्य की आशा आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए होना चाहिए। संविधान जोड़ता है। संविधान कभी तोड़ता नहीं है। (तालियां) संविधान विवादों को संवादों की ओर ले जाने का एक सबल माध्यम होता है। और इसलिए चाहे पहाड़ हो, त राई हो, संविधान जोड़ने का काम करे और अधिक ताकत पैदा करने का काम करे सिद्धि प्राप्त करेंगे ये मेरा पूरा विश्वास है।

संविधान वर्तमान के बोझ से दबा हुआ नहीं होना चाहिए और ऋषि मन का मेरा तात्पर्य यही है जो वर्तमान से मुक्ति की अनुभूति करता है और जो आने वाले कल को बहुत गहराई से देख सकता है वही ऋषि मन होता है जो संविधान आने वाली पीढ़ियों के लिए करता है और हमारी सोच होनी चाहिए। संविधान में हजारों चीजें होंगी। लेकिन एक कौमा एक फुलस्टॉप कहीं पर भी ऐसा आ गया जो आज तो पता नहीं रहे, कौमा है, फुलस्टॉप है पता

नहीं लिख दिया। लेकिन कहीं पचास साल के बाद, सौ साल के बाद कौमा और फुलस्टॉप के रूप में आया हुआ कोई एकाद चीज कहीं विष बीज न बन जाये। विष वृक्ष का जन्म न दें जो नेपाल के इन सपनों को रौंद डाले। ऐसी स्थिति कभी आये नहीं ये बारीकी की चिंता, ये संविधान सभा करेगी ऐसा मुझे पूरा विश्वास है और मैं मानता हूं आपने जो काम शुरू किया है वो अपने आपको गौरव करने वाला काम है। शस्त्र को छोड़कर के शास्त्र को स्वीकार करना यही तो बुद्ध की भूमि से निकलने की आवाज है वही तो संदेश है। (तालियां) और उस अर्थ में भारत चाहेगा और जो आप लोगों ने तय किया है जो मैंने सुना है और मैं मानता हूं कि बहुत ही उत्तम काम संघीय लोकतान्त्रिक गणतंत्र में आज उपलब्ध वो सबमें उत्तम रास्ता आपने चुना है और भारत हमेशा आपके संघीय लोकतांत्रिक गणतंत्र की कल्पना को पूरा-पूरा आदर करता है, स्वागत करता है। इंतजार यही है कि जितना जल्दी हो (तालियां) इंतजार इसी बात का है।

नेपाल और भारत के रिश्ते ऐसे हैं कि थोड़ी सी भी हवा इधर उधर हो जाये तो ठंड हमें भी लगती है। अगर सूरज यहां तप जाये तो गरमी हमें भी लगती है। ऐसा अटूट नाता है। अगर आप चैन से न सोये हो तो हिन्दुस्तान चैन से नहीं सो सकता है। (तालियां) नेपाल का कोई मेरा भाई भूखा हो तो भारत कैसे आनन्द ले सकता है। कल जब ये कोसी की घटना घटी समाचार आये मेरी पूरी सरकार लगी रही। भई कितना बड़ा हादसा हुआ है, क्या हुआ है, कितनी बड़ी चट्टान गिरी है। कोसी नदी का पानी रूक गया है। पता नहीं कितने लोग खो गये हैं, इतने लोग मारे गये हैं। जितनी चिंता आपको सताती थी उतनी ही चिंता मुझे भी सताती थी क्यों ये कष्ट आपका है वो मेरा भी है। ये आपदा आपकी है तो ये आपदा मेरी भी है और हिन्दुस्तान के किसी कौने में जितनी तेजी से मदद पहुच जाये उतनी ही तेजी से मैंने मदद पहुंचाने के दिशा पकड़ी और लोगों को मैंने भेज दिया था। क्यों आप मेरे हैं, हमारे हैं? हम आप अलग हो नहीं सकते और इसलिए आपके विकास के अंदर भारत आपकी जितनी आशा आकांक्षाएं हैं उसकी पूर्ति करने के लिए प्रतिबद्ध है। (तालियां)

नेपाल जहां से जन्में हुए बुद्ध ने मन के अंधेरे को दूर किया था। विचारों का प्रकाश दिया और मानव जाति को एक नई चेतना मिली थी। ये नेपाल पानी की शक्ति का ऐसा धनी है कि वो बिजली के माध्यम से आज भी हिन्दुस्तान का अंधेरा दूर कर सकता है। (तालियां) और हम बिजली मुफ्त में नहीं चाहते। हम खरीदना चाहते हैं। (तालियां) हम आपका पानी भी ले जाना नहीं चाहते, आपका पानी और वैसे वैसे तो एक बात मैं नहीं जानता हूं नेपाल में ये बात किस रूप में देखा जाएगा। पानी और जवानी ये कभी पहाड़ के काम नहीं आते हैं। (तालियां, हंसी) पानी पहाड़ में रहता नहीं चला जाता है और जवानी भी, पहाड़ में जवानी थोड़ा सा उमर बढ़ गयी तो मौका ढूंढती हैं कि चलो कहीं चला जाय। रोजी रोटी, बेचारे को कहीं रोजी रोटी नहीं है। वो जवानी भी पहाड़ के काम नहीं आती, वो पानी भी पहाड़ के काम नहीं आता है। लेकिन किसी युग में ये कहा गया होगा हमें इस बात को बदलना है। वो पानी पहाड़ के काम कैसे आये वो जवानी पहाड़ को कैसे नये रौनक दें वो नई नई दिशा बदलना हम चाहते हैं। (तालियां) और इसलिए विकास यही एक उसके लिए मार्ग है।

भारत युवा देश है, नेपाल युवा देश है। यहां कितने नौजवानों की तादाद है अगर उन नौजवानों के हाथों में अवसर दिया जाय नेपाल की कल क्या नेपाल की आज बदलने का सामर्थ्य इन नौजवानों में है। वो अवसर कैसे मिलेगा? हम प्राकृतिक संसाधनों का समुचित उपयोग करके विकास की एक दिशा तय नहीं करेंगे तो कैसे होगा? भारत इसके लिए आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर के चलना चाहता है निर्णय आप कीजिए, आप अपने नेतृत्व का परिचय दीजिए और अकेले हिन्दुस्तान को बिजली बेचकर भी नेपाल समृद्ध देशों में अपनी जगह बना सकता है। इतनी ताकत आपके पास है। हम इसमें आपके साथ आपकी इस विकास यात्रा में जुड़ना चाहते हैं।

यहां पर ट्रकों के द्वारा कोयला आता है। युग बदल चुका है, पाइप लाइन से क्यों न आये? हम उस काम को पूरा करेंगे। (तालियां) शिक्षा के क्षेत्र में यहां के नौजवान भारत आते हैं उनको भारत सरकार स्कॉलरशिप देती है उस स्कॉलरशिप पाने वाले नौजवानों की संख्या में मैं बढ़ोत्तरी करना

चाहता हूं। (तालियां) अधिक नौजवानों को अवसर मिले और ये मैं आपको समझ लीजिए आज ही घोषणा कर दी उसका फायदा उठाइये। (तालियां) जब लक्ष्मण जी मूर्छित हो गये तो हनुमान जी पौधा लेने के लिए यहां आये थे। आज पूरे विश्व में होलिस्टिक हैल्थ केयर की चर्चा चल रही है। हिमालय, जड़ी-बूटियां जो हिमालय के गर्भ में पड़ी हैं। अगर उन जड़ी-बूटियों को हम हर्बल मैडीसिन को बढ़ावा दें, क्यों न नेपाल दुनिया में सबसे बड़ा हर्बल मैडिसन का एक्सपोर्टर क्यों न बने? क्या-क्या नहीं है आपके पास? (तालियां) मैं आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर के काम करने के लिए तैयार हूं। भारत जो मदद हो सके करना मैं क्योंकि आने वाले दिनों में विकास को कैसे किस दिशा में ले जाना। आपके पास ये पड़ा है। मैं नया नहीं कहता हूं। टूरिज्म सवा सौ करोड़ देशवासी आपके पड़ौस में ऐसे हैं जो कभी न कभी पशुपतिनाथ आकर के अपना सिर झुकाना चाहते हैं। (तालियां) भगवान बुद्ध के पास आकर के शान्ति का संदेश लेना चाहते हैं। क्यों न नेपाल का टूरिज्म उस रूप में विकसित हो ताकि भारत से बहुत बड़ी मात्रा में टूरिस्ट नेपाल को मिले और टूरिज्म एक ऐसा क्षेत्र है कम से कम पूंजी से ज्यादा से ज्यादा रोजगार देने वाला कोई क्षेत्र है तो वो टूरिज्म है। टूरिस्ट आता है तो चना बेकने वाला भी कमाता है, मूंगफली बेचने वाला भी कमाता है, ऑटोरिक्शा वाला भी कमाता है, टैक्सी वाला भी कमाता है, चाय बेचने वाला भी कमाता है और जब चाय बेचने वाले की बात आती है तो मुझे आनंद होता है। (हंसी, तालियां) कहने का मतलब ये है कि टूरिज्म के विकास की इतनी संभावना पड़ी है, एडवंचर टूरिज्म के लिए हिमालय से बढ़कर क्या हो सकता है, नेपाल से बढ़कर कौन सी जगह हो सकती है। पूरे विश्व के नौजवानों को पागल कर दे, इतनी ताकत आपकी धरती के पास पड़ी है। मैं आपसे आवाह्न करता हूं। आइए आगे आइए। (तालियां) पूरे विश्व का एडवंचर यूथ जिसको एडवंचर करने का मिजाज है, जिसको पहाड़ों पर जाने की इच्छा रखनी है, आप पूरे विश्व के युवा को ललकार सकते हैं। आइए, कितना बड़ा अवसर है? हमें संविधान भी निर्माण करना है, हमें नेपाल को नई ऊंचाइयों

पर भी ले जाना है और उसके लिए एक पड़ौसी का धर्म हम निभाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। (तालियां)

मेरे मन में आया, मेरे मन में आया कि नेपाल को हिट करें। मुझे लगा कि मैं ऐसे शब्द प्रयोग करूंगा तो शायद आपको बुरा लग जाएगा। ये कौन होता है हिट करने वाला। लेकिन मैं जब हिट करने की बात करता हूं तब मेरे मन में तीन प्रमुख बातें हैं। एच०आई०टी०, एक हाईवेज, दूसरा आईवेज और तीसरा ट्रांसवेज। नेपाल को भारत जितनी जल्दी ये गिफ्ट दें, हाईवेज दें, आईवेज, इन्फरमेशन वेज, पूरे विश्व के अन्दर नेपाल पीछे रहना नहीं चाहिए। नेपाल भी डिजीटल बनना चाहिए। नेपाल विश्व के साथ जुड़ना चाहिए। आईवेज चाहिए और ट्रांसवेज- ट्रांसमीशन लाइंस (तालियां) आज बिजली जितनी हम दे रहे हैं नेपाल को उसको डबल करने का मेरा इरादा है और उसके लिए जितना जल्दी ट्रांसमीशन लाइन लगायेंगे, अभी हम नेपाल का अंधेरा दूर करेंगे और दशक के बाद, अंधेरा हिन्दुस्तान का नेपाल दूर करेगा, ये हमारा नाता है। (तालियां) और इसलिए मैंने कहा एच-हाईवे, आई-इन्फोरमेशन वे, टी-ट्रान्समीशन वे, ट्रांस वे। ये मैं हिट करना चाहता हूं और आप भी चाहेंगे ये हिट जल्दी हो। (तालियां)

मुझे विश्वास है कि हम अब हमें लगता है जितना जल्दी नेपाल को हमारे पास बुला सकें हम बुलाना चाहते हैं। अब इसको खिसकर तो ले जाने वाला विज्ञान तो अभी आया नहीं है। लेकिन अगर महाकाली नदी पर ब्रिज बन जाये तो मेरे और आपके बीच की दूरी बहुत खत्म हो जाएगी। आप एकदम हमारे पास आ जायेंगे। आज हमें घूम-घाम करके पहुंचना पड़ता है। महाकाली नदी पर ब्रिज बन गया तो हमारी दूरियां कम हो जाएंगी। और हम इस बात पर बल देकर के आगे बढ़ना चाहते हैं। उसी प्रकार से सीमा, हमारे लिए बॉर्डर जो है वो बैरियर नहीं हो सकती है, बॉर्डर ब्रिज भी बनना चाहिए और हम चाहते हैं, भारत और नेपाल की सीमा इस प्रकार से बायब्रेंट हो अच्छेपन की लेनदेन होती रहे ताकि आपका भी विकास हो, भारत के भी आपके साथ जुड़े हुए छोटे-छोटे जो राज्य हैं उनको भी विकास का अवसर मिले।

एक योजना आज मैं प्रधानमंत्री जी से बता रहा था। मैंने कहा कि हिमालय पर रिसर्च होना बहुत जरूरी है। इतनी बड़ी प्राकृतिक संपदा है भारत ने उस पर एक काम शुरू किया है। हमने हमारे बजट में भी उसकी घोषणा की है। नेपाल भी उसमें आगे बढ़े और हम मिलकर के हिमालय की शक्ति मानव जात के लिए किस तरह से काम आ सकती है, उसके वेज एण्ड मीन्स क्या हो उसके सामर्थ्य को हम पहचानें। विज्ञान की नई परतों को हम खोलें और मानव जात के कल्याण की दिशा में हम जो काम करें उसी प्रकार से हम प्रयास करना चाहते हैं।

कभी कभी मैं हैरान हो जाता हूं, अमेरिका टेलीफोन करना है तो बड़े सस्ते में हो जाता है, लेकिन नेपाल फोन करना है तो बड़ा मंहगा पड़ जाता है। (हंसी) अब हमें समझ नहीं आता कि ये क्या बात है, ऐसा कैसा भेद है? और नेपाल के लाखों लोग हिन्दुस्तान में रहते हैं परिवार से बात करना चाहते हैं, कर नहीं पाते हैं। नमस्ते करके फोन रख देते हैं। मैं स्थिति बदलना चाहता हूं। दोनों देशों में ये जो सर्विस प्रोवाइडर हैं, उनसे मिलकर के हम भी बात करेंगे आप भी बात कीजिए। ये तो ये कनेक्टिविटी ऐसी नहीं होनी चाहिए हमारे बीच में बड़े आराम से सहज तरीके से कम खर्चे में बात हो और उसी से तो नाता जुड़ता है। लाइव कम्युनिकेशन जितना बढ़ता है, उससे नाता बनता है और हम उसको बढ़ावा देना चाहते हैं।

अभी आपने सुना होगा जब मैं मेरा शपथ समारोह था मैं प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने वाला था। मैंने सार्क देशों को निमंत्रित किया था और मैं आभारी हूं आदरणीय प्रधानमंत्री जी का वो बहुत ही कम नोटिस में आप आये और मैं मानता हूं कि सार्क देश मिलकर के गरीबी के खिलाफ लड़ाई लड़ने का अजेण्डा लेकर आगे क्यों न बढ़ें। गरीबी के खिलाफ लड़ाई में हम दोनों हम सब सभी सार्क देश एक दूसरे की मदद करेंगे और उसमें एक काम सार्क देशों को और भारत का दायित्व है हम कोई उपकार नहीं करते। हम मानते हैं हमारा दायित्व है कि हमारे अड़ोस पड़ोस के हमारे जितने भी छोटे भाई हैं, हमारे साथी भाई हैं, उनकी विकास यात्रा में हम मदद रूप हों और इसलिए अभी अभी मैंने घोषणा की है कि स्पेस टेक्नॉलोजी का लाभ हमारे

सार्क देशों को मिलना चाहिए और इसीलिए भारत की तरफ से एक सार्क सैटेलाइट लॉन्च किया जाएगा, जिस सार्क सैटेलाइट का लाभ हैल्थ सेक्टर के लिए, एजूकेशन सेक्टर के लिए, स्पेस टेक्नॉलोजी का लाभ सार्क देशों को मिले, नेपाल को मिले। उस दिशा में हमने कदम उठाना तय किया है और इसलिए इसका आगे आने वाले दिनों में जरूर लाभ मिलेगा। उसी प्रकार से मैंने पहले ही कहा कि जो मल्टी परपज प्रोजेक्ट है आपने जो देखा होगा हम इतने पास में हैं आप और बीच में कोई ज्यादा दूरी नहीं है। आते-आते 17 साल लग गये। ये अखरता है। मैं आपको वादा करता हूं अब ऐसा नहीं होगा (तालियां) और मैं तो कुछ ही महीनों में वापस आ रहा हूं सार्क सम्मिट के समय और मैंने उस समय तय किया है कि मैं उस समय जब आऊंगा तो राजा जनक को भी नमन करने जाऊंगा और भगवान बुद्ध को भी नमन करने जाऊंगा। (तालियां)

ये खुशी की बात है कि पंच्चेश्वर प्रोजेक्ट बहुत पहले तय हुआ। कितने रूपये की लागत बढ़ गयी, लेकिन अब अथोरिटी का निर्माण दोनों देशों में हुआ है। मैं मानता हूं एक साल के भीतर-भीतर पांच हजार छः सौ मेगावॉट का ये प्रोजेक्ट का काम आरम्भ हो जाये। आप कल्पना कर सकते हैं, नेपाल की कितनी बड़ी सेवा होगी। आज नेपाल के पास जितनी बिजली है उससे करीब-करीब पांच गुना बिजली छोटी बात नहीं है ये। विकास को कितनी नई ऊंचाई मिल सकती है और उसके लिए भारत बिल्कुल प्रोऐक्टिव होकर के आपके साथ काम करने के लिए तैयार है और हम आपको इस दिशा में पूरा प्रयास करेंगे। एक बात की ओर मैं चाहूंगा जैसा मैंने कहा हरबल मैडिसन एक बहुत बड़ा क्षेत्र है। वैसे भी औरगेनिक फारमिंग पूरे दुनिया के अंदर एक बहुत बड़ा मार्किट खड़ा हुआ है जो माल रूपये में बिकता है वो अगर ऑगेनिक है तो डॉलर में बिकने लग जाता है। अब नेपाल एक ऐसी भूमि है जहां ये संभव है।

भारत में सिक्किम एक राज्य आपके पड़ौस में ही माना जाएगा। सिक्किम ने पूरा ऑरगेनिक स्टेट बना दिया अपने आपको और उसके कारण विश्व में एक नया मार्किट खड़ा हुआ है। अगर नेपाल उस दिशा में जाना

चाहता है मुझे खुशी होगी आपको मदद करने की, आपके साथ काम करने की। (तालियां) उसी प्रकार से हमने एक प्रयोग शुरू किया है हिन्दुस्तान में सोयल हैल्थ कार्ड का हम जानते हैं नेपाल और हिन्दुस्तान में हम नागरिकों के पास भी हैल्थ कार्ड नहीं है। लेकिन हम सोयल हैल्थ कार्ड किसानों को उसकी जमीन की तबीयत कैसी है, कोई बीमारी तो नहीं है, विशेषताएं क्या हैं, किस प्रकार के फसल के लिए उपयोगी है, कौन सी दवाइयां वहां नहीं डालनी चाहिए, कौन सी दवाइयां ही डाली जा सकती हैं। कितना फर्टीलाइज़र लेबल ये सारी वैज्ञानिक तरीके से आगे बढ़ाया जा सकता है। अगर नेपाल की रूचि होगी तो हम सॉयल हैल्थ कार्ड के इस काम को जो हम हिन्दुस्तान में आगे बढ़ा रहे हैं यहां के किसानों को भी अगर उसका लाभ मिलेगा। तो कृषि आधुनिक हो, कृषि वैज्ञानिक हो उसमें हम बहुत बड़ी मात्रा में उपयोगी हो सकते हैं और मैं चाहता हूं कि आने वाले दिनों में इसके लिए आप जरूर ही कुछ न कुछ सोचेंगे और मैं मानता हूं। उसी प्रकार से आज जब मैं आपके बीच आया हूं तो मैं आज ये भी आपको घोषणा करके जाना चाहता हूं, भारत नेपाल को दस हजार करोड़ नेपाली रूपये कंशेसनल लाइन ऑफ क्रेडिट की सहायता देने का हमने निर्णय किया है। हम ये सुनिश्चित करेंगे (तालियां) कि इस क्रेडिट का उपयोग नेपाल की प्राथमिकता पर होगा। आप इसे हाइड्रोपॉवर इन्फ्रास्ट्रेक्चर इन सारे क्षेत्रों में लगाएं तो ये करीब वन विलियन डॉलर जैसी अमाउन्ट मैं आज और पहले इसका जो दिया हुआ है ये इससे अलग है। (तालियां) उसके साथ इसको जोड़ना नहीं है वो अलग है। वो दे दिया ये नया है। तो फिर एक बार मैं आपने मेरा स्वागत किया, सम्मान किया इसलिए मैं आपका आभारी हूं। लेकिन मैं फिर से एक बार विश्वास दिलाता हूं कि दुनिया की नजरें आपकी तरफ हैं, विश्व बड़ी आशा भरी नजरों से आपकी तरफ देख रहा है, क्योंकि शस्त्र से मुक्ति का मार्ग संविधान के माध्यम से आज शस्त्र के रास्ते पर चल पड़े लोगों को वापिस लाने का काम नेपाल की सफलता से जुड़ा हुआ है। आप सफल हुए तो दुनिया को वापस लौटने का अवसर मिलेगा। शस्त्र छोड़ने की प्रेरणा मिलेगी और लोकतांत्रिक

व्यवस्था से भी जन–मन की आशा–आकांक्षाओं की पूर्ति का रास्ता नया विश्वास पैदा करेगा। आप संविधान के इस काम को उस रूप में देखें।

इसलिए मैं दुबारा उस बात का उल्लेख करता हूं कि आपका ऋषि मन सौ साल के बाद नेपाल कैसा हो, नेपाल के लोग कैसे हों, नेपाल के लोगों को क्या मिले? इसका निर्णय आप कर रहे हैं और उस निर्णय में आप सफल होंगे और भगवान बुद्ध की भूमि में विचारों की कोई कमी हो नहीं सकती, इरादों की कमी नहीं हो सकती है, संकल्प शक्ति की कमी नहीं हो सकती है और इसलिए एक नया इतिहास यहां से रचने जा रहा है। इसको इतना बड़ा लाभ मिलने वाला है कि मुझे पूरा विश्वास है और हम सबको भी मैं यही कहूंगा कि हमारे जो संबंध हैं भारत नेपाल मैत्री ये अमर रहे, भारत नेपाल मैत्री युग युग जीवे और ये सार्वभौम राष्ट्र नेपाल हिमालय से भी नई ऊंचाइयों को ऊपर उठे। इसी शुभकामनाओं के साथ फिर एक बार आपके बीच आने का अवसर मिला। बहुत बहुत धन्यवाद। (तालियां)